मणिपुर में मकान-सूचीकरण स्थगन: जनगणना और नागरिकता का अंतर

शासन व समाज | समाचार संदर्भ: 5 सितंबर 2026 | प्रकाशित: 17 अक्टूबर 2026

संघर्ष और विस्थापन वाले क्षेत्र में विश्वसनीय आँकड़े जुटाना कठिन है। लेकिन सुरक्षा की चिंता के बीच जनसंख्या की गणना और नागरिकता की जाँच को एक ही प्रक्रिया मान लेना नई प्रशासनिक तथा सामाजिक समस्याएँ पैदा कर सकता है।

खबरों में क्यों

5 सितंबर 2026 की केंद्रीय अधिसूचना S.O. 4917(E) ने मणिपुर में जनगणना 2027 के मकान-सूचीकरण कार्य को अगली घोषणा तक स्थगित किया। इसकी प्रति 12 अक्टूबर को मणिपुर राजपत्र में पुनर्प्रकाशित हुई। आदेश का दायरा इसी चरण और राज्य तक है; यह पूरे देश की जनगणना रद्द करने या मणिपुर में NRC लागू करने का आदेश नहीं है।

शब्दों का अंतर ही सही निष्कर्ष की कुंजी

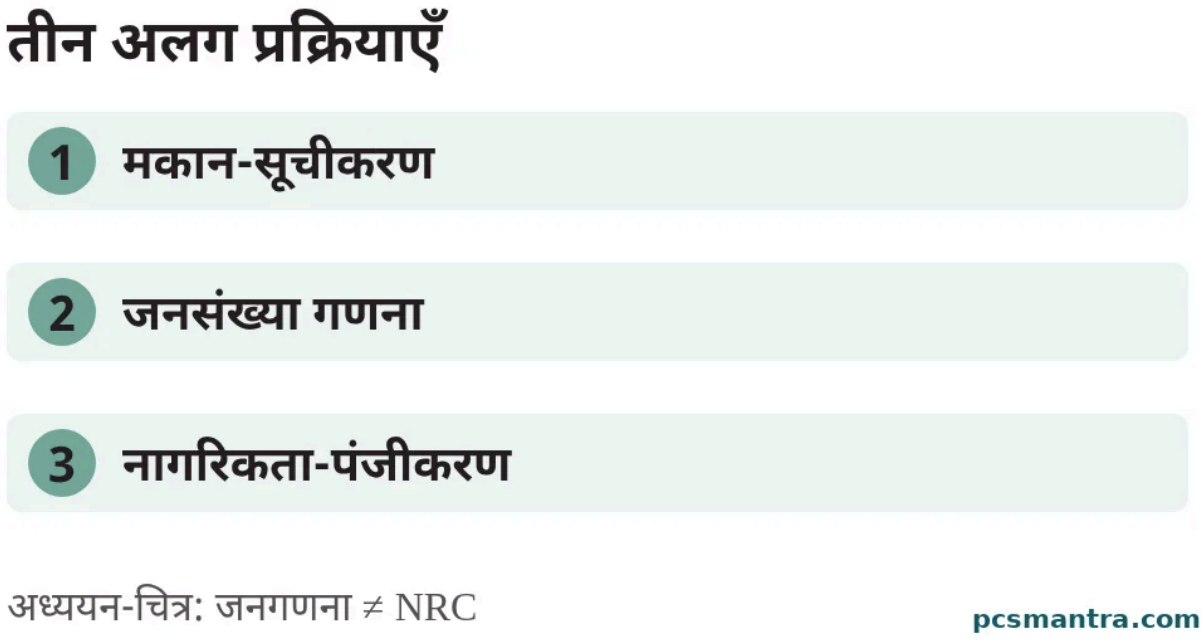
मकान-सूचीकरण आवास और परिवार से जुड़ी जानकारी का चरण है। जनसंख्या गणना में व्यक्तियों का विवरण लिया जाता है। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर नागरिकता-पंजीकरण से संबंधित अलग विधिक प्रक्रिया है। एक चरण टलने से दूसरी प्रक्रिया स्वतः शुरू नहीं हो जाती।

मुख्य तथ्य

आदेश का ठीक अर्थ: अधिसूचना ने 7 जनवरी 2026 की पूर्व अधिसूचना में मणिपुर को अगली घोषणा तक अपवाद बनाने वाले शब्द जोड़े। इससे नई तारीख तय नहीं हुई; स्थगन को अनिश्चितकालीन पूर्ण रद्दीकरण भी नहीं कहना चाहिए।

राजनीतिक माँग बनाम विधिक निर्णय: कुछ संगठनों ने जनगणना से पहले NRC और 1951 को आधार वर्ष बनाने की माँग की। माँग को सरकार द्वारा स्वीकृत नागरिकता-कटऑफ नहीं माना जा सकता।

दो अलग कानूनी आधार: जनगणना का आधार जनगणना अधिनियम, 1948 है। नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 14A राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का प्रावधान देती है। सितंबर का सूचीकरण-स्थगन इन अलग व्यवस्थाओं का विलय नहीं करता।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

संकटग्रस्त समाज में विश्वसनीय गणना की शर्तें

विस्थापित परिवारों का समावेश: राहत शिविर, अस्थायी निवास और मूल गाँव के बीच आवागमन से किसी व्यक्ति के छूटने या दो बार गिने जाने का जोखिम है। गणना की संदर्भ-तारीख तथा निवास संबंधी निर्देश स्पष्ट होने चाहिए।

विश्वास और सुरक्षा: जातीय तनाव में गणनाकार की पहुँच और उत्तरदाता की निर्भयता दोनों जरूरी हैं। समुदायों से संवाद, स्थानीय भाषा और सुरक्षित कामकाज से आँकड़ों की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है।

नीति पर प्रभाव: आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए विश्वसनीय आँकड़े चाहिए। कमजोर कवरेज से राहत और विकास की जरूरतें गलत आँकी जा सकती हैं; पुराने आँकड़ों पर निर्भर रहने की भी कीमत है।

विश्लेषण और आगे की राह

आगे की राह में सुरक्षा-मूल्यांकन के साथ विस्थापितों की गणना हेतु स्पष्ट प्रोटोकॉल, प्रशिक्षित कर्मचारी और त्रुटि सुधार का सुलभ तंत्र होना चाहिए। व्यक्तिगत जनगणना विवरण की गोपनीयता और सार्वजनिक समेकित आँकड़ों के उपयोग का अंतर समझाना आवश्यक है। अवैध प्रवासन संबंधी दावों की जाँच प्रमाण तथा उचित प्रक्रिया से हो; किसी समुदाय के सभी लोगों को विदेशी मानना न तथ्यसम्मत है, न न्यायसंगत। नागरिकता से जुड़ी किसी प्रक्रिया पर अलग आदेश, नियम और अपील के अधिकार देखे बिना निष्कर्ष न निकालें।

अवधारणा में अंतर

जनगणना नीति-निर्माण के लिए आबादी की सांख्यिकीय तस्वीर देती है; वह अपने-आप नागरिकता का प्रमाणपत्र या विदेशी घोषित करने का निर्णय नहीं है। NRC की माँग, उसकी कानूनी घोषणा और व्यक्ति का अंतिम नागरिकता-निर्धारण भी अलग अवस्थाएँ हैं।

मेंस दृष्टि

GS-I में जनसंख्या और सामाजिक संघर्ष; GS-II में प्रशासन, अधिकार तथा कल्याण। उत्तर का केंद्र मणिपुर का सीमित सूचीकरण-आदेश रहे, न कि सामान्य परिसीमन-विवाद का दोहराव।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में विश्वसनीय जनगणना के लिए प्रशासनिक क्षमता के साथ सामाजिक विश्वास भी आवश्यक है। मणिपुर के मकान-सूचीकरण स्थगन के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: मणिपुर में मकान-सूचीकरण को अगली घोषणा तक स्थगित करने वाले आदेश का सीमित दायरा बताएँ। इसे पूरे देश की जनगणना रद्द करने या NRC लागू करने का आदेश न मानें।

मुख्य भाग में: विस्थापित परिवारों के छूटने या दो बार गिने जाने, गणनाकारों की असुरक्षित पहुँच और उत्तरदाताओं के अविश्वास की समस्याएँ समझाएँ। इनके कारण आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा की जरूरतों का अनुमान प्रभावित हो सकता है। संदर्भ-तारीख, निवास-निर्देश, राहत शिविरों का कवरेज, स्थानीय भाषा में संवाद और प्रशिक्षित कर्मचारी जोड़ें। जनगणना की सांख्यिकीय प्रक्रिया को नागरिकता-निर्धारण से अलग रखें; किसी संगठन की आधार-वर्ष संबंधी माँग स्वीकृत सरकारी निर्णय नहीं है।

निष्कर्ष में: सुरक्षा-मूल्यांकन के साथ समावेशी कवरेज, व्यक्तिगत विवरण की गोपनीयता और सुलभ त्रुटि सुधार का सुझाव दें। प्रमाण तथा उचित प्रक्रिया से सामाजिक विश्वास बनाए रखते हुए विश्वसनीय आँकड़े जुटाना लक्ष्य हो।

स्रोत

- मणिपुर राजपत्र: 5 सितंबर का केंद्रीय आदेश, 12 अक्टूबर का पुनर्प्रकाशन
- सरकारी जनगणना FAQ: दोनों चरण और व्यक्तिगत विवरण की गोपनीयता
- नागरिकता अधिनियम: धारा 14A का सरकारी पाठ

याद रखें: मकान-सूचीकरण का स्थगन NRC का आदेश नहीं; राजनीतिक माँग स्वीकृत नागरिकता-कटऑफ नहीं।